

- JOKINGLY : (1) परिहासेन ; (2) परिहासपूर्वम्.
 JOLLITY : आमोदप्रमोदः (?) : v. Festivity, gaiety.
 JOLLY : प्रफुल्लः (छा, छ) : v. Merry, fine.
 JOLLY-BOAT : no equiv. : केलि-नौः (?).
 JOLT, JOLTING (subs.) : (1) उद्घातः, *he went over the pleasant road where there was no j.* : ययावनुद्घातमुखेन सोऽध्वना ; (2) क्षोभः (?), R. i. 58.
 JOLT (v.) : उद्घातं गच्छति (गम्, c. 2.) : v. To shake.
 JOSTLE : सं-बाधते (बाध्, c. 1.) : v. To shake.
 JOSTLING (subs) : संबाधा (?), Ki. ; (2) संक्षोभः (= agitation).
 JOT (subs.) : कणः : v. Iota.
 JOT (v.) : *j. down* : अमिलिखति (लिख्, c. 6.) (?).
 JOTTING (subs.) : *where are my j.s* : *क यन्मयामिलिखितम्.
 JOURNAL : पत्रिका (?) : v. Also diary.
 JOURNALIST : पत्रिकालेखकः.
 JOURNEY (subs.) : (1) प्रयाणम् : v. March ; (2) expr. by words given under way, *thus after a few days' j.* : इत्यध्वनः कैश्चिदहोमिरन्ते, R. xvi. 35. ; *I wish you a pleasant j.* : तव वर्तमानं वर्ततां शिवम्, N. ii. 62. or शिवास्ते सन्तु पन्थानः, Sa. iv.
 JOURNEY (v.) : प्रयाति (या, c. 2.) : v. To march, travel.
 JOURNEY-MAN : भृतकः, Viv.
 JOVIAL : (1) प्रफुल्लः (छा, छ) ; (2) सोल्लासः (सा, सं) : v. Merry.
 JOVIALITY : प्रफुल्लता : v. Mirth.
 JOWL : गण्डः : v. Check.
 JOY (subs.) : (1) हर्षः, प्र-, *heavy with j.* : हर्षजडः (डा, ड), R. iii. 68. ; (2) आनन्दः, *with tears of j.* : आनन्दजाश्रुभिः, : v. Pleasure, delight.
 JOY (v.) : I. To rejoice, be delighted : q.v. : हृष्यति (हृष्, c. 4.). II. To delight, give pleasure : q.v. : हर्षयति (c. of हृष्).
 JOYFUL : (1) हृष्टः (छा, छ), प्र-, सं- ; (2) आनन्दितः (ता, तं) : v. Also delightfully.
 JOYFULLY : (1) सानन्दम् ; (2) हृष्टचित्तेन ; (3) सोल्लासम्.
 JOYLESS : (1) निरानन्दः (न्दा, न्द) ; (2) अहर्षः (र्भा, र्ब) (?).

- JOYOUS : (1) सानन्दः (न्दा, न्द) ; (2) सहर्षः (र्भा, र्ब) : v. Joyful.
 JOYOUSLY : (1) सानन्दम् ; (2) सहर्षम् : v. Joyfully.
 JUBILANT : I. Lit. : जयध्वनिं कुर्वन् (f. न्ती). II. Joyful : q.v. : संहृष्ट (f. छा).
 JUBILEE : I. Rapture : प्रहर्षः. II. A season of joy : "*the town was all a j. of feasts*" : सर्वं नगरं महोत्सवमयमासीत्.
 JUDAICAL : *यिहुदीयः (या, यं). *J. ly* : *यिहुदीय-प्रकारेण.
 JUDAISM : *यिहुदीयधर्मः ; also *यिहुदीयधर्मासक्तिः.
 JUDGE (subs.) : I. Civil : (1) प्राह्विवाकः (the chief j.), *an appeal lies to the c. j. from the decision of a king's employee* : नृपाधिकृतकृतः प्राह्विवाकसविधं परावर्तते, Mit. ; (2) अधिकरणिकः, धर्म-, (any j.), *then enters the j. with the merchant and the writer* : ततः प्रविशति श्रेष्ठिकायस्यपरिवृतोऽधिकरणिकः, Mr. ix. ; (3) विचारकः, निर्णेतु (m.), etc. (in gen. sense), *the heads of families, classes and communities are j.s of the said (actions)* : कुलश्रेणिगणाध्यक्षाः प्रोक्तनिर्णयकारिणः, Vri. II. An expert : (1) गुणदोषज्ञः ; (2) विशेषज्ञः ; (3) रसज्ञः (= appreciator).
 JUDGE (v.t.) : (1) विचारयति (c. of चर्), *as he j.s* : विचारयति येनासौ, Vy. ; (2) विवेचयति (c. of विच्) ; (3) निर्णयति (नी, c. 1.) (=to decide q.v.) ; (4) संचिन्तयति (चिन्त, c. 10.) (=to think, consider : q.v.).
 JUDGMENT : I. In law : निर्णयः. N.B. Not विचारः=enquiry, trial. II. Notion, taste : q.v. : विचारः, Ku. v. 42. III. Reason : q.v. : विवेकः. IV. Divine : दण्डः (?).
 JUDGMENT-DAY : धर्मविचारदिनम् (??).
 JUDGMENT-HALL : (1) विचारसभा ; (2) धर्मसभा.
 JUDICATURE : I. Jurisdiction : अधिकारः. II. Court of j. : धर्माधिकरणम्.
 JUDICIAL : व्यवहार- in comp., *j. subordination* : व्यवहारपराधीनता, Mr. ix. ; *j. proceedings consist of four parts* : व्यवहारश्चतुष्पदः, Vri.
 JUDICIALLY : (1) विचार्य ; (2) विचारं कृत्वा.
 JUDICIOUS : विवेकिन् (f. नी) : v. Discreet, circumspect.